चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7-10-25		

श्री वाल्मीकि केवल एक महर्षि ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि भी थे : डॉ. पवन कुमार

हकृवि में महर्षि वाल्मीकि के प्रकट दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुल सचिव डॉ. पवन कुमार।

हिसार, 6 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। 'सामाजिक समरसता के पुरोधा भगवान वाल्मीकि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक विकास केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार फलवारिया मौजूद रहे। कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि सृष्टिकर्ता महर्षि भगवान वाल्मीकि ने मानवता को ज्ञान, धर्म और आदर्श जीवन का अमूल्य संदेश दिया। वाल्मीकि केवल एक महर्षि ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि थे। उन्होंने तप, साधना और चिंतन से रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना की जो आज भी सत्य, प्रेम, मर्यादा और कर्तव्य की प्रेरणा देता है।

डॉ. पवन ने कहा कि आज हमें इस पावन अवसर पर भगवान वाल्मीकि के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के 20 उत्कृष्ट सफाई कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य वक्ता डॉ. राजकुमार फलवारिया ने कहा कि भगवान वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के ऐसे युगपुरुष हैं जिन्होंने समाज में समानता, न्याय और मानवता का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में महापुरुषों व ऋषि मुनियों की जयंती पर इसलिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया जबकि जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुभाष चन्द्र ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7-10-25	2	3-8

धर्म

एचएयू में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

महर्षि वाल्मीकि ने मानवता को ज्ञान का अमूल्य संदेश दिया

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में महर्षि वाल्मीकि के प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल एक महान ऋषि ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि भी थे। उन्होंने मानवता को ज्ञान, धर्म और आदर्श जीवन का अमूल्य संदेश दिया।

'सामाजिक समरसता के पुरोधा भगवान वाल्मीकि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में डॉ. कुमार ने रामायण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि ने तप, साधना और चिंतन के माध्यम से यह महान ग्रंथ रचा, जो आज भी सत्य, प्रेम, मर्यादा और कर्तव्य की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है। कार्यक्रम में 20 उत्कृष्ट सफाई कर्मचारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलसचिव डॉ. पवन कुमार व अन्य। स्रोत : आयोजक

मुख्य वक्ता डॉ. राजकुमार फलवारिया ने बताया कि भगवान वाल्मीकि ने समाज में समानता, न्याय और मानवता का संदेश दिया तथा ऊंच-नीच और भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति ईश्वर की संतान है और सभी को समान सम्मान व अवसर मिलना चाहिए इस मौके पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. सुभाष चंद्र आदि मौजूद रहे।

'शहर में वाल्मीकि प्रकट दिवस पर शोभा यात्रा में सजी लव-कुश की झांकी। संवाद

शहर में शोभायात्रा निकाली

हिसार। भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के अवसर पर सोमवार शाम को तेलियान पुल स्थित वाल्मीकि चौक से शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न हिस्सों में जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया और फूल बरसाए। प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में वाल्मीकि चौक को रंग-बिरंगी लाइटों से भी सजाया गया है। मंगलवार को भी प्रकट दिवस के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के तत्वावधान में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस पर मंगलवार को सुबह 8 बजे नेताजी कॉलोनी, आदर्श नगर से दूसरी शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली मुख्यातिथि होंगे। कार्यक्रम की प्रबंधक समिति के सदस्य वीर सुनील बोहत, वीर चेतन डुलगच और वीरश्रेष्ठ अशोक सुनसुना अनार्य ने बताया कि प्रकट दिवस को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक सपर्क कार्यालय

समाचारपत्र नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-10-25	2	3-4

वाल्मीकि केवल एक महर्षि नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि भी थे : डॉ. पवन कुमार

एचएयू में भगवान वाल्मीकि की जयंती के उपलक्ष्य में गोष्ठी

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। 'सामाजिक समरसता के पुरोधा भगवान वाल्मीकि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मुख्य वक्ता के तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक विकास केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार फलवारिया मौजूद रहे।

डॉ. पवन कुमार ने कहा कि सृष्टिकर्ता महर्षि भगवान वाल्मीकि ने मानवता को ज्ञान, धर्म और आदर्श जीवन का अमूल्य संदेश दिया। वाल्मीकि केवल एक महर्षि ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7-10-25	4	1-4

हकृवि में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 6 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। 'सामाजिक समरसता के पुरोधा भगवान वाल्मीकि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक विकास केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार फलवारिया मौजूद रहे। इस दौरान विश्वविद्यालय के 20 उत्कृष्ट सफाई कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंच का संचालन डॉ. सुभाष चन्द्र ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्य अतिथि एवं अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	7-10-25	4	4

वाल्मीकि केवल एक महर्षि ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के थे प्रथम कवि

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। 'सामाजिक समरसता के पुरोधा भगवान वाल्मीकि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. पवन कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक विकास केन्द्र के अध्यक्ष डा. राजकुमार फलवारिया मौजूद रहे। कुलसचिव डा. पवन कुमार ने कहा कि सृष्टिकर्ता महर्षि – भगवान वाल्मीकि ने मानवता को ज्ञान, धर्म और आदर्श जीवन का अमूल्य संदेश दिया। वाल्मीकि केवल एक महर्षि ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि थे। उन्होंने तप, साधना और चिंतन से रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना की जो आज भी सत्य, प्रेम, मर्यादा और कर्तव्य की प्रेरणा देता है। महर्षि वाल्मीकि ने यह सिखाया कि मनुष्य जन्म से महान नहीं होता बल्कि कर्म से महान बनता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	06.10.2025		

भगवान वाल्मीकि केवल एक महर्षि ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि भी थे : डॉ. पवन

हकृवि में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। 'सामाजिक समरसता के पुरोधा भगवान वाल्मीकि' विषय पर आयोजित गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक विकास केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार फलवारिया मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्य अतिथि एवं अन्य

कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि सृष्टिकर्ता महर्षि भगवान वाल्मीकि ने मानवता को ज्ञान, धर्म और आदर्श जीवन का अमूल्य संदेश दिया। वाल्मीकि केवल एक महर्षि ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रथम कवि थे। उन्होंने तप, साधना और चिंतन से रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना की जो आज भी सत्य, प्रेम, मर्यादा और कर्तव्य की प्रेरणा देता है। महर्षि वाल्मीकि ने यह सिखाया कि मनुष्य जन्म से महान नहीं होता बल्कि कर्म से महान बनता है। एक साधारण व्यक्ति से महान ऋषि बनने की उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि प्रत्येक व्यक्ति में परिवर्तन और उत्थान की असीम संभावनाएं निहित है। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि की शिक्षाएं हमें सामाजिक समानता, शिक्षा और नारी सम्मान का भी संदेश देती है। डॉ. पवन ने कहा कि आज हमें इस पावन अवसर पर भगवान वाल्मीकि के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के 20 उत्कृष्ट सफाई कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मुख्य वक्ता डॉ. राजकुमार फलवारिया ने कहा कि भगवान वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के ऐसे युगपुरुष हैं जिन्होंने समाज में समानता, न्याय और मानवता का संदेश दिया। वे केवल आदि कवि ही नहीं बल्कि सामाजिक समरसता के भी महान प्रवर्तक थे। उन्होंने समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, भेदभाव और अन्याय का भी विरोध किया। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि प्रत्येक व्यक्ति ईश्वर की संतान है और सबको समान सम्मान व अवसर मिलना चाहिए। लव और कुश को उन्होंने शिक्षा देकर यह सिखाया कि गुरु का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं बल्कि चरित्र निर्माण करना भी है। भगवान वाल्मीकि समाज को जोड़ने वाले एक महान पुरुष थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में महापुरुषों व ऋषि मुनियों की जयंती पर इसलिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते है ताकि विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और आम नागरिक उनके जीवन चरित्र एवं आदर्शों से प्रेरणा ले सकें।

कार्यक्रम में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने सभी का स्वागत किया जबकि जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. सुभाष चन्द ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।